कोटद्वार, शनिवार
30 नवम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 206 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुख्यमंत्री ने किए शीतलहर से बचाव हेतु 1.35 करोड़ स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शीतलहरी के बचाव हेतु अलाव जलाये जाने व कम्बल वितरण हेतु भारत सरकार तथा राज्य सरकार के नियमों/निर्देशों के आलोक में विगत वर्षों की भांति इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी प्रदेश के समस्त जनपदों में से 12 जनपदों को 10 लाख प्रति जनपद तथा पौड़ी गढ़वाल को 15 लाख इस प्रकार कुल धनराशि 135 लाख (एक करोड़ पैंतीस लाख) की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अस्कोट का नाम शहीद नायक सैनिक खुशाल सिंह अधिकारी (सेना मेडल) के नाम पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

साहिया–क्वानू मार्ग पर लगा लंबा जाम

विकासनगर। शुक्रवार को साहिया–क्वानू मार्ग पर जाम लग गया। दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। आधे घंटे तक लोग जाम में ही फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। उधर,यहां बसों का संचालन न होने के कारण लोग जान–जोखिम में डालकर ओवरलोड होकर वाहनों में सफर करने को मजबूर हैं। जनजातीय क्षेत्र जौनसार–बावर में शनिवार से बूढ़ी दीपावली शुरू हो जाएगी। इसके लिए मैदानी क्षेत्र में रहने वाले लोग अपने गांव पहुंच रहे है। रोडवेज बस का संचालन न होने से त्योहारों के समय वाहनों में ओवरलोडिंग होती रहती है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा कई बार बस संचालन की मांग भी की गई है। बावजूद इसके क्षेत्र में विभाग की ओर से कोई बस संचालित नहीं की गई है। जिसके चलते लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ता है। त्योहार के समय क्षेत्र के लोग वाहनों पर लटक कर जाने को मजबूर है, लेकिन सरकार की और से क्षेत्र में कोई बस संचालित नहीं की गई है। जिसके चलते लोगों को जान जोखिम में डाल कर वाहनों पर लटक कर जाना पड़ता है। शुक्रवार को सहिया–क्वानू मोटर मार्ग पर इसी के कारण वाहनों का काफी लंबा जाम लगा रहा। लगभग आधे घंटे तक सहिया क्वानू मोटर मार्ग पर आधे घंटे जाम लगा रहा। स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत कर जाम खुलवाया।

आर्मी में भर्ती कराने का झांसा देकर 24 लाख हड़पे

देहरादून। चंपावत के युवक से देहरादून में कुछ लोगों ने आर्मी में भर्ती कराने के नाम पर 24 लाख रुपये ठग लिए। बाकायदा एक फ्लैट में आर्मी के फर्जी अफसर बुलाकर मेडिकल कराया गया। मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान अधिकारी ने बताया कि प्रवीन सिंह नेगी निवासी नायकगोठ टनकपुर जिला चंपावत ने तहरीर दी कि अक्तूबर में उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया था। जिसने अपना नाम विक्रांत निवासी टनकपुर चंपावत बताया। करीब दो साल पहले प्रवीन विक्रांत से मिल चुके थे। आरोपी ने उन्हें आर्मी में भर्ती होने का प्रलोभन दिया। कहा कि उसकी आर्मी में अच्छी पहचान है। बताया गया कि इसके लिए उन्हें रुपये एडवांस देने होंगे। हामी भरने पर प्रवीन को देहरादून बुलाया गया। वो 18 जुलाई 2024 को देहरादून पहुंचे यहां कुछ डाक्यूमेंट पर साइन करने के बाद एक फ्लैट में उनका मेडिकल कराया गया। इस दौरान दो लोग साथ थे, जिन्होंने खुद को आर्मी का अधिकारी बताया। इनमें से एक व्यक्ति ने खुद का नाम गोविन्द न्याल बताया, जबकि दूसरा उसका बहनोई बताया गया। आरोप है कि मेडिकल के बाद यहां कुछ लड़कियां भी बुलाई गई थी, जिनके साथ आरोपियों ने छेड़छाड़ की। प्रवीन ने बताया कि वो अपने साथ कुछ अन्य लोगों को भी भर्ती के लिए लाए थे। आरोप लगाया कि भर्ती होने से पहले उनसे अलग–अलग किश्तों में उनसे 24 लाख रुपये लिए गए।

तेज रफ्तार बस की चपेट में आकर छात्रा की मौत

देहरादून। आईएसबीटी के समीप तेज रफ्तार बस की चपेट में आकर एक छात्रा की मौत हो गई। चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने छात्रा के पिता की तहरीर पर आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पटेलनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कमल कुमार लुंठी ने बताया कि 21 वर्षीय प्रिंयका अंकुश खरात पुत्री अंकुश पांडुरंग खरात निवासी घुलेवाडी आटपाडी खरसुंडी जिला सांगली महाराष्ट्र, क्लेमेनटाउन स्थित एक निजी कॉलेज की छात्रा थी। शुक्रवार शाम वो कॉलेज से अपने पीजी हॉस्टल लौट रही थी। माजरा स्थित एक स्वीट शॉप के समीप सड़क पार करते हुए आईएसबीटी की ओर से आ रही एक निजी कंपनी की बस ने छात्रा को टक्कर मार दी।

ओडिशा में पीएम मोदी ने विपक्ष को घेरा

कहा– चुनावी हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते–आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए।

आईआईएम काशीपुर के निदेशक चार सप्ताह में जवाब दाखिल करें : हाईकोर्ट

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने आईआईएम काशीपुर के मीडिया और जनसंपर्क सेल के अध्यक्ष के मामले पर सुनवाई के बाद आईआईएम काशीपुर के निदेशक की ओर से 18 नवंबर 2024 को जारी आदेश पर रोक लगा दी है। जिसमें उन्होंने याचिकाकर्ता को कार्यमुक्त करने के आदेश जारी किए थे। वहीं मामले में चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार आईआईएम काशीपुर के मीडिया और जनसंपर्क के अध्यक्ष कुणाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि निदेशक ने उन्हें बिना सुनवाई का मौका दिए 18 नवंबर 2024 को आदेश जारी कर पद से हटा दिया, जो गलत है। इस मामले में कोर्ट ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सचिव और आईआईएम काशीपुर के निदेशक को चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

चार धामों के शीतकालीन प्रवास स्थलों के लिए जल्द शुरू करें यात्रा : धामी

●मुख्यमंत्री जनपदों में रात्रि प्रवास कर करेंगे जन सुनवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के शीतकालीन प्रवास स्थलों के लिए यात्रा शुरू की जाए और इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया जाए।

इन शीतकालीन प्रवास स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम के होटलों में रूकने पर किराये में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री जल्द ही जनपदों का भ्रमण और रात्रि प्रवास करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री जनसुनवाई के साथ की विकास कार्यों और नगर निकायों और सरकारी कार्यालयों में विभिन्न व्यवस्थाओं और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोगों की अपेक्षाओं और आशाओं के अनुरूप राज्य को आगे बढ़ाने में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश की देवतुल्य जनता के सहयोग से उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने कि लिए राज्य सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क दुर्घटना सुरक्षा नियमावली जल्द बनाई जाए। पुलिस महानिदेशक को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये हैं कि रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए और सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सड़कों में पुलिस बल भी बढ़ाया जाए। देवभूमि उत्तराखण्ड को 2025 तक ड्रग्स फ्री राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को गहन अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं।

नशीले पदार्थों को बेचने वालों पर नियमित निगरानी रखने और इसमें संलिप्त पाये जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। किराये पर रह रहे बाहरी लोगों का नियमित सत्यापन करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी अंशुमान एवं उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

राज्य गठन से लेकर 2014 तक वाले विधानसभा कर्मचारी भी हों बर्खास्त: हरीश रावत

देहरादून। विधानसभा से सितंबर 2022 में बर्खास्त किए गए 250 कर्मचारियों के समर्थन में आए पूर्व सीएम हरीश रावत ने बर्खास्तगी पर सवाल उठाए। कहा कि राज्य गठन से लेकर 2014 तक नियुक्त हुए कर्मचारियों की नियुक्ति यदि वैध है, तो बाद वाले कर्मचारियों की नियुक्ति कैसे गलत हो गई है। यदि बाद वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, तो पुराने वाले कर्मचारियों को भी बर्खास्त कर न्याय किया जाए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि राज्य विधानसभा के अस्तित्व में आने के बाद से विधानसभा अध्यक्ष और सरकार की सहमति से तय नियमावली के तहत नियुक्त किए गए कर्मचारी काम करते आ रहे हैं। हर स्पीकर ने अपने कार्यकाल में ऐसी नियुक्तियां की। ऐसी नियुक्तियां 2021–22 तक तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल तक हुईं। फिर अचानक सवाल उठा कि यह नियुक्तियां वैध नहीं हैं। एक समान प्रक्रिया के तहत नियुक्त लोगों में से 2014 के बाद जितने भी लोग नियुक्त हुए, उन सभी को विधानसभा की सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। कहा कि पांच साल सेवा करने के बाद बर्खास्त हुए कर्मचारी अपनी बहाली को उच्च न्यायालय की शरण में हैं। एक लंबी कानूनी प्रक्रिया को झेल रहे हैं। शासन का उद्देश्य जनकल्याण है। यदि नियुक्ति की प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां रही हैं तो उन त्रुटियां का निराकरण भी शासन को ही निकालना होता है। शासन, शासन होता है। केवल राजनीतिक व्यवस्था बदलती है। शेष प्रक्रियाएं शासन की यथावत रहती हैं। यह नहीं कहा जा सकता है कि यह किस अध्यक्ष के द्वारा नियुक्त लोग हैं या किस पार्टी के शासनकाल के अंतर्गत नियुक्त लोग हैं। कहा कि एक बार नियुक्त किया गया कर्मचारी, वह विधानसभा का कर्मचारी है, वह राज्य का कर्मचारी है। इन बर्खास्त कर्मचारियों की अपनी कोई भूल नहीं है। उन्होंने कुछ तथ्य छुपाए नहीं हैं, उन्हें एक सिस्टम के तहत नियुक्ति दी गई है। यही कारण है कि पहले विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल से जो नियुक्ति की परंपरा चली आई थी, उसी परंपरा के तहत यह सब कर्मचारी 2022 तक नियुक्ति पाए हैं। यदि कहीं नियुक्तियों में कुछ पारदर्शिता नहीं है तो उसके लिए तथ्य जुटा कर नियुक्ति विशेष पर कार्रवाई की जा सकती है। उसकी आड़ में एकमुश्त एक तिथि विशेष तक के कर्मचारियों को बर्खास्त करना सही नहीं है। यदि यह प्रक्रिया गलत है तो फिर यह प्रक्रिया आधी सही, आधी गलत कैसे हो सकती है? यदि यह गलत प्रक्रिया के तहत नियुक्त हुए हैं, तो जो प्रारंभ से नियुक्ति पाए हैं, उन्हें भी बर्खास्त किया जाए।

उत्तराखंड में बीएसएनएल के 644 मोबाइल टावर अपग्रेड होंगे

देहरादून। उत्तराखंड में बीएसएनएल के 644 नए मोबाइल टावर अपग्रेड होंगे। शुक्रवार को राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सदन में राज्य में बीएसएनल मोबाइल नेटवर्क की समस्या को उठाया था। इसके जबाव में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डा.पेम्मासानी चंद्रशेखर ने यह जानकारी दी। भट्ट ने उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या उठाया। कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां बिषम हैं, मोबाइल नेटवर्क न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कहा कि पहाड़ में बड़ी संख्या में युवा परीक्षाओं की आनलाइन तैयारी कर रहे हैं, नेटवर्क स्लो होने से उनकी तैयारियां प्रभावित होती हैं। डा.पेम्मासानी ने सदन में जानकारी दी कि बीएसएनएल द्वारा उत्तराखंड में प्रदान की जा रही दूरसंचार सेवाएं भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा निर्धारित गुणवत्ता सेवा के मानकों को पूरा करती हैं। वहीं, उत्तराखंड में अक्तूबर तक 1183 4जी साइट को स्थापित किया गया है और सभी क्रियाशील हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में विभिन्न स्कीमो के तहत 644 मोबाइल टावरों को अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है। भट्ट ने पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों के विकासखंडों में केंद्रीय विद्यालय खोलने के संबंध में सवाल किया। उनके तारांकित प्रश्न के जबाव में जानकारी दी गई है कि मौजूदा वक्त उत्तराखंड में 45 केंद्रीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। उत्तराखंड से केंद्र को चार नए केवि खोलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। भट्ट ने राज्य में युवा छात्रावास योजना के तहत छात्रावास खोलने की भी मांग की।

बिरसा मुंडा के वशंज मंगल मुंडा का निधन, पीएम मोदी समेत तमाम नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली , आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा का शुक्रवार को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में रात करीब साढ़े 12 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह एक सडक़ दुर्घटना में घायल हो गए थे। मंगल मुंडा के निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भगवान बिरसा मुंडा जी के वंशज मंगल मुंडा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करे। बिरसा मुंडा के अनुयायी झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, रिम्स में इलाजरत भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन की खबर से अत्यंत दुखी हूं। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ मंगल मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी लेने रिम्स गए थे। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगल मुंडा को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा का असामयिक निधन अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद जिस तरह से उन्हें इलाज के लिए तड़पना पड़ा, वह हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता को दर्शाता है। इतनी नाजुक स्थिति में भी उन्हें समय पर ट्रामा सेंटर में बेड नहीं मिला। इलाज शुरू करने में 10 घंटे की देरी हुई। परिजनों को 15,000 की दवाएं भी खुद खरीदनी पड़ी। अबुआ सरकार में एक गरीब आदिवासी की जिंदगी की कीमत आज बस इतनी ही रह गई है।

राज्यसभा फिर स्थगित : इस्कॉन के पुजारी की गिरफ्तारी, मणिपुर और संभल पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली ,राज्यसभा में शुक्रवार को भी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने मणिपुर में कानून व्यवस्था पर चर्चा करने की मांग की। कई सांसद संभल में हुए उपद्रव और उसके बाद उत्पन्न कानून व्यवस्था पर चर्चा चाहते थे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चर्चा कराने की मांग भी राज्यसभा में की गई। विपक्षी सांसद चाहते थे कि नियम 267 के अंतर्गत यह बहस कराई जाएं, लेकिन सभापति की ओर से इसकी स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। इसके बाद सदन में काफी हंगामा हुआ और कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। गौरतलब है इसी सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ था। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम के अलावा अब तक चार दिनों में एक दिन भी सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। शुक्रवार को चर्चा के लिए विपक्ष के 17 सदस्यों ने नोटिस दिया था। सभापति जगदीप धनखड़ ने इस संबंध में बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चर्चा के लिए 17 नोटिस दिए गए हैं। रामजीलाल सुमन, डॉ जॉन बिटास, एए रहीम व बी शिवादासन आदि सांसद संभल में हुई हिंसा और कानून व्यवस्था की स्थिति पर राज्यसभा में चर्चा चाहते थे। वहीं विपक्ष के तिरुचि शिवा, संतोष कुमार पी आदि सांसद मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के एक सांसद ने दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा की मांग सभापति के समक्ष रखी। आम आदमी पार्टी के ही सांसद राघव चड्ढा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी की गिरफ्तारी पर चर्चा की मांग की। विपक्ष के सांसद चाहते थे कि नियम 267 के तहत यह चर्चा हो। नियम 267 के तहत चर्चा होने पर सदन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर दिया जाता है। इसके साथ ही इस नियम में चर्चा के बाद वोटिंग का प्रावधान भी है। हालांकि सभापति ने इसकी अनुमति प्रदान नहीं की। इससे नाराज विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर विपक्षी सांसद अपने स्थान पर खड़े हो गए और अपनी मांग दोहराने लगे। इस दौरान कई सांसदों ने नारेबाजी की। सदन में हंगामे और नारेबाजी को देखते हुए सभापति ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सभापति ने कहा कि इस सप्ताह ये मुद्दे बार–बार उठाए गए। इसका नतीजा यह हुआ कि तीन कार्य दिवस व्यर्थ हो गए।

पंजाब में सिद्धू जोड़े से 2 करोड़ की धोखाधड़ी, इकोनॉमिक ऑफेंस विंग मामले की जांच में जुटी

चंडीगढ़ , नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी व पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने एक बड़े धोखाधड़ी मामले में अपने पूर्व निजी सहायक और एक एनआरआई समेत कई लोगों पर केस दर्ज करवाया है। आरोप है कि इन लोगों ने डॉ. सिद्धू को एक संपत्ति बेचने के नाम पर उनसे 2 करोड़ रूपये से अधिक की ठगी की है। यह मामला चंडीगढ़ के रंजीत एवेन्यू स्थित स्क्ह (शॉप–कम–ऑफिस) नंबर 10 की रजिस्ट्रेशन को लेकर है। डॉ. सिद्धू के अनुसार, उन्होंने इस संपत्ति को खरीदने के लिए अंगद पाल सिंह नामक एक एनआरआई से संपर्क किया था। अंगद पाल सिंह ने डॉ. सिद्धू को आश्वासन दिया कि वह उन्हें यह संपत्ति बेच देगा। डॉ. सिद्धू ने अंगद पाल सिंह को कई बार पैसा दिया, लेकिन संपत्ति उनके नाम पर ट्रांसफर नही हुई। जब डॉ. सिद्धू ने दस्तावेजों की जांच करवाई तो उन्हें पता चला कि संपत्ति पहले से ही किसी और के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस मामले में एनआरआई के मामा मंगल सिंह, सुखविंदर सिंह के अलावा उनके पूर्व निजी सहायक गौरव और उनके सहयोगी जगजीत सिंह पर भी आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि इन सभी ने भी इस धोखाधड़ी में अंगद पाल सिंह का साथ दिया था। अंगद पाल सिंह ने रंजीत एवेन्यू में स्थित स्क्ह नंबर 10 बेचने का प्रस्ताव रखा था। इसके लिए दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हुआ।

देहरादून के 60 से ज्यादा टीचर जबरन रिटायर किए जाएंगे

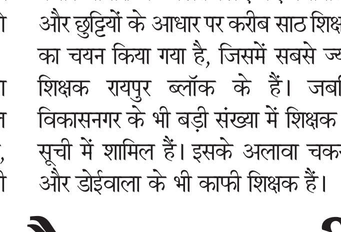

देहरादून। देहरादून जिले के साठ से ज्यादा शिक्षकों को जबरन रिटायर किया जाएगा। यह शिक्षक लंबे समय से गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। शिक्षा विभाग की ओर से सूची के साथ सार्वजनिक नोटिस जारी करते हुए इनकी बीमारी और छुट्टियों का ब्योरा तलब कर लिया गया है। इससे शिक्षकों में नाराजगी है। प्राथमिक शिक्षक संघ ने इसका विरोध करते हुए कहा कि एक तो यह शिक्षक पहले ही बीमारी और इलाज के खर्च से परेशान हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग ने जबरन रिटायरमेंट का फरमान सुनाकर उनकी तकलीफ को बढ़ा दिया है। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रावत ने बताया कि यह शिक्षक भले ही गंभीर बीमारी से परेशान हैं, लेकिन ज्यादातर शिक्षण कार्य में जुटे हैं। ऐसे में इनको जबरन रिटायर करना ठीक नहीं है। अगर जरूरत पड़ी तो इसके खिलाफ आंदोलन भी किया जाएगा।

दस साल के रिजल्ट का विवरण भी मांगा : जिला शिक्षा अधिकारी–बेसिक प्रेमलाल भारती की ओर से रायपुर, सहसपुर, विकासनगर, डोईवाला, चकराता और कालसी ब्लॉक के उप शिक्षा अधिकारियों को इन शिक्षकों की सूची भेजी गई है। इनका दस साल का परीक्षाफल, गोपनीय आख्या, दस साल में लिए गए अवकाश का विवरण, इनके खिलाफ हुई कार्रवाई, मानसिक एवं शारीरिक अस्वस्थता के अभिलेख और वर्तमान स्थिति का विवरण भी देना होगा।

रायपुर ब्लॉक के सबसे ज्यादा शिक्षक : गंभीर बीमारी के चलते लिए गए स्थानांतरण और छुट्टियों के आधार पर करीब साठ शिक्षकों का चयन किया गया है, जिसमें सबसे ज्यादा शिक्षक रायपुर ब्लॉक के हैं। जबकि, विकासनगर के भी बड़ी संख्या में शिक्षक इस सूची में शामिल हैं। इसके अलावा चकराता और डोईवाला के भी काफी शिक्षक हैं।

भारतीय नौसेना की बड़ी कार्रवाई, अरब सागर में जब्त की 500 किग्रा. ड्रग्स

नई दिल्ली ,भारतीय नौसेना ने नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई को नौसेना ने समुद्र में अंजाम दिया। इसके तहत लगभग 500 किलोग्राम नशीले पदार्थों (क्रिस्टल मेथ) की जब्ती हुई। भारतीय नौसेना ने श्रीलंकाई झंडे वाले वाले जहाजों को घेर कर यह कार्रवाई की। इस कार्रवाई में श्रीलंकाई नौसेना ने भी भारतीय नेवी का साथ दिया।

इस संदर्भ में रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि श्रीलंकाई नौसेना ने जानकारी दी थी कि श्रीलंका झंडे वाले मछली पकडऩे वाले जहाजों द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी पर भारतीय नौसेना ने तेजी से प्रतिक्रिया की। श्रीलंकाई नौसेना से प्राप्त जानकारी के आधार पर, भारतीय नौसेना ने नावों को स्थानीयकृत करने और रोकने के लिए एक समन्वित अभियान प्रारंभ किया। सूचना संलयन केंद्र (हिंद महासागर क्षेत्र), गुरुग्राम से मिले इनपुट के आधार पर भारतीय नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और दूर से संचालित विमान द्वारा निगरानी शुरू की। अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना के एक जहाज को भी तैनात किया गया। श्रीलंकाई नौसेना के इनपुट और भारतीय नौसेना के विमान द्वारा हवाई निगरानी के आधार पर दो नावों की पहचान की गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो नावों की पहचान के बाद जहाज और विमान के एक समन्वित ऑपरेशन में, दोनों नावों को जहाज की बोर्डिंग टीम द्वारा घेर लिया गया। तलाशी के दौरान लगभग 500 किलोग्राम नशीले पदार्थों (क्रिस्टल मेथ) की जब्ती हुई।

बाइक को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर बस पलटी, मची चीख–पुकार; 9 की मौत

गोंदिया ,महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार को एक भीषण बस दुर्घटना में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा गोंदिया–कोहमारा राज्य राजमार्ग पर खजरी गांव के पास हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य सडक़ परिवहन निगम की एक बस भंडारा से साकोली लखानी होते हुए गोंदिया जा रही थी। एक बाइक को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कई यात्री बस के नीचे दब गए। इस घटना के दौरान मौके पर चीख–पुकार मच गई। इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पीड़ित परिवारों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

यूपी : उपचुनाव में भाजपा और आरएलडी के 7 सदस्यों ने विधानसभा में ली शपथ

लखनऊ , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद शुक्रवार को विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विजयी उम्मीदवारों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने जनता के विश्वास और समर्थन का धन्यवाद करते हुए अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सभी ने एक स्वर में राष्ट्र प्रथम के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी–योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई।शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है। जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। आपके पास ढाई साल का समय है, उसे जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करें।

सम्पादकीय

पार्किंग पर लक्ष्य केंद्रित

उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों पर यातायात जाम को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बहुउद्देशीय पार्किंग योजना पर फोकस किया है। इसी के तहत विभिन्न पर्यटक स्थलों पर 15000 वाहनों को पार्क करने की योजना फलीभूत होने जा रही है, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। देश विदेश से उत्तराखंड आने वाले लोग अक्सर यातायात व्यवस्था और पार्किंग को लेकर कड़वा अनुभव लेकर लौटते हैं। खास तौर से पार्किंग ना होने के कारण पर्यटकों को परेशान होना पड़ता है और कई बार पुलिस कार्रवाई का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे स्थान पर पार्किंग को लेकर राज्य सरकार गंभीर है और कुछ प्रमुख स्थानों पर पार्किंग की जगह सुनिश्चित करते हुए इनकी संख्या बढ़ाई जा रही है। प्रदेश सरकार यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए सड़क चौड़ीकरण के साथ ही, प्रमुख तीर्थों, शहरों और पयर्टन स्थलों पर पार्किंग स्थलों का निर्माण जोरों पर है। पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में विभिन्न विकास प्राधिकरणों के जरिए 182 स्थानों पर 15 हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग सुविधा तैयार की जा रही है जिसमें से 34 जगह पार्किंग स्थल तैयार हो चुके हैं। इसी के तहत ऋषिकेश एवं देहरादून में दो हजार गाड़ियों की व्यवस्था पार्किंग में हो सकेगी। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड में पर्यटन के साथ–साथ धार्मिक यात्राओं में भी तेजी देखने को मिली है। ऑल वेदर रोड के सुचारू रूप से चालू होने के बाद लोगों ने उत्तराखंड का रुख करना शुरू किया है। इसका असर चारधाम यात्रा के साथ ही पयर्टन सीजन में भी देखने को मिला है। पर्यटकों की राज्य में रिकॉर्ड आमद के साथ ही पर्यटक स्थलों पर जाम की स्थिति होना भी स्वाभाविक है। इसी समस्या के निदान के लिए 182 स्थलों पर कुल पंद्रह हजार से अधिक वाहन क्षमता की पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। कुछ स्थानों पर बीस हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग सुविधा निश्चित की जा चुकी है जो यह दर्शाता है कि राज्य सरकार पार्किंग की समस्या को लेकर बेहद गंभीर है और युद्ध स्तर पर इसका निदान करने के लिए कृत संकल्प है। पहाड़ी प्रदेश होने के कारण जगह सीमित है लेकिन यहां भी सरकार ने इसका हल खोज निकाला और उत्तराखंड में पर्यटकों को टनल पार्किंग का भी नजारा देखने को मिलेगा। प्रदेश सरकार पहली बार, टनल पार्किंग का विकल्प आजमाने जा रही है। इसमें पहाड़ के अंदर सुरंग तैयार कर पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। एक अच्छे पर्यटन के लिए यह जरूरी है कि राज्य सरकार पर्यटकों को हर बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराए जिसमें अच्छी सड़के, स्वास्थ्य सुविधा के साथ–साथ सुगम यातायात एवं उचित पार्किंग व्यवस्था भी शामिल है। उत्तराखंड सरकार इस दिशा में प्रगतिशील सोच लेकर आगे बढ़ रही है जिसका फायदा निश्चित तौर पर पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को भी मिलेगा।

भारत में सहकारिता आंदोलन को दिया जा रहा बढ़ावा

शाजी के.वी

साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति सहकार से समृद्धि के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार–बार पडने़ वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021–22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है।

भारत में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट' (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर ज़ोर देती है कि सहकारी समितियां बाज़ार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोजग़ार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है।

भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था – उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को–ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढाँचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक हैः पहला, सहकारी समितियों के बीच सहयोग का महत्व – जब उरालुंगल को एक सडक़ परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ; दूसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रमिक सहकारी समिति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।अमित शाह के शानदार नेतृत्व में भारत सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और पैक्स के लिए खुदरा पेट्रोल/डीजल आउटलेट/एलपीजी वितरण अधिकार; सहकारी क्षेत्र में गोदामों का व्यापक नेटवर्क; मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन; शामिल नहीं की गई पंचायतों में नए बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां और पैक्स के लिए मॉडल उप–नियम शामिल हैं। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), सहकारी समितियों के लिए अपने बहुस्तरीय और गतिशील रूप से उत्तरदायी सहयोगात्मक ढांचे के साथ, मंत्रालय के मार्गदर्शन में, सतत प्रक्रिया के रूप में नीति क्रियान्वयन से जुड़े लोगों को सक्षम बनाता है जिसमें (अ) ग्रामीण सहकारी बैंकों को पुनर्वित्तपोषण का प्रावधान, कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण गैर–कृषि गतिविधियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण देने के लिए उनके संसाधनों में पूर्ति करना; (ब) सहकारी विकास निधि के माध्यम से विकासात्मक समर्थन और वित्तीय समावेशन निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना; (स) नीति और कार्यान्वयन समर्थन, जैसे पैक्स का कम्प्यूटरीकरण और 300 से अधिक ई–सेवाएं प्रदान करने वाले सामान्य सेवा केंद्रों के रूप में पैक्स का कार्यान्वयन, और (द) वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं।

नाबार्ड सहकारी समितियों को एक–दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए सहकारी समितियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु– सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजूदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकृत जिला/राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे।

भविष्य में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में नीतिगत तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। हाल के वर्षों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण दुग्ध क्षेत्र की तर्ज पर इन तीनों वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक किसान उत्पादक संगठनों का गठन और एक एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला मदद कर सकती है। आंतरिक तौर पर पूंजी निर्माण या सहकारी समितियों की आय को उनके भीतर ही बनाए रखना इन समितियों के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना बनाने में मददगार साबित हो सकता है। यह उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बढ़ते महत्व को देखते हुए उपयोगी होगा। उपलब्ध कृषि योग्य भूमि के पीढ़ी दर पीढी बंटवारे को देखते हुए बागवानी फसलों की बिक्री से होने वाले लाभों के मद्देनजर विशेष रूप से बहु–राज्य सहकारी समितियों को उत्पादकों का एक व्यापक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता हो सकती है। यह लागत को कम करने और उनकी मोलभाव करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है। भूमि स्वामित्व पर किसी भी जोखिम के बिना सहकारी समितियों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि पूलिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दे सकती है।

ड्ढ्रञ्ज्ह के अनुरूप प्रसंस्कृत उत्पाद एक मजबूत कृषि–निर्यात उत्पाद क्षेत्र बनाने में मदद करने, तकनीक अपनाने, अधिक पारदर्शिता के साथ व्यापार करने में आसानी; प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उद्यमी कारोबारी तंत्र के विभिन्न हिस्सों के रूप में कृषि स्टार्ट–अप के साथ अंतर्संबंधों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता होगी। वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को उत्कृष्टता संबंधी प्रदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए, जिसके लिए संसाधनों और उत्कृष्टता परिणामों के अंतिम उपयोग की जानकारी के साथ एक मजबूत डेटा बेस विकसित करने की आवश्यकता होगी। ऋण क्षमता के आकलन के आधार पर कृषि ऋण के लिए वर्तमान आपूर्ति–आधारित दृष्टिकोण को धीरे–धीरे अंतिम उपयोग और परिणामों से संबंद्ध प्रतिबद्धताओं के आधार पर ऋण की प्रभावी मांग द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

सहकारी समितियों को नए उभरते नवप्रवर्तकों या नए कारोबारी विचारों की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने, वित्तीय और अतिरिक्त सहायताएं देने के लिए एक प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता भी हो सकती है। नीतिगत पोषण से प्रेरित एक पुनर्जीवित सहकारी आंदोलन देश में अधिक समावेशी ग्रामीण आर्थिक समृद्धि का अग्रदूत हो सकता है।

भारत में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं।

मत का प्रयोग सोच समझ कर करें

विनीत नारायण

अभी आम चुनाव का प्रथम चरण ही पूरा हुआ है पर ऐसा नहीं लगता कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव जैसी कोई महत्त्वपूर्ण घटना घट रही है। चारों ओर एक अजीब–सा सन्नाटा पसरा हुआ है।न तो गांव, और न ही कस्बों और शहरों में राजनैतिक दलों के होर्डिग्स और पोस्टर दिखाई दे रहे हैं, और न ही लाउड्स्पीकर पर वोट मांगने वालों का शोर सुनाई दे रहा है, चाय के ढाबों और पान की दुकानों पर अक्सर जमा होने वाली भीड़ भी खामोश है। जबकि पहले चुनावों में ये शहर के वो स्थान होते थे जहां से मतदाताओं की नब्ज पकडऩा आसान होता था।

आज मतदाता खामोश है। इसका क्या कारण हो सकता है। संभव है कि मतदाता तय कर चुके हैं कि उन्हें किसे वोट देना है पर अपने मन की बात को जुबान पर नहीं लाना चाहते। क्योंकि उन्हें इसके संभावित दुष्परिणामों का खतरा नजर आता है। यह हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छा लक्षण नहीं है। जनसंवाद के कई लाभ होते हैं। एक तो जनता की बात नेता तक पहुंचती है और दूसरा ऐसे संवादों से जनता जागरूक भी होती है। अलबत्ता, शासन में जो दल बैठा होता है, वो कभी नहीं चाहता कि उसकी नीतियों पर खुली चर्चा हो। दरअसल, उसे इससे माहौल बिगडऩे का खतरा रहता है। हर शासक यही चाहता है कि उसकी उपलब्धियों को बढ़ा–चढ़ाकर मतदाता के सामने पेश किया जाए। इंदिरा गांधी से नरेन्द्र मोदी तक कोई भी इस मानसिकता का अपवाद नहीं रहा है। आम तौर पर यह माना जाता था कि मीडिया सचेतक की भूमिका निभाएगा।पर मीडिया को भी खरीदने और नियंत्रित करने पर हर राजनैतिक दल अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करता है जिससे उसका प्रचार होता रहे। पत्रकारिता में इस मानसिकता के जो अपवाद होते हैं वे यथासंभव निष्पक्ष रहने का प्रयास करते हैं ताकि परिस्थितियों और समस्याओं का सही मूल्यांकन हो सके। पर इनकी पहुंच बहुत सीमित होती है, जैसा आज हो रहा है। ऐसे में मतदाता तक सही सूचनाएं नहीं पहुंच पातीं। अधूरी जानकारी से जो निर्णय लिए जाते हैं, वो मतदाता, समाज और देश के हित में नहीं होते जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है। सब मानते हैं कि किसी भी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छी होती है क्योंकि इसमें समाज के हर वर्ग को अपनी सरकार चुनने का मौका मिलता है। इस शासन प्रणाली के अंतर्गत आमजन को अपनी इच्छा से चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होता है। इस तरह चुने गए प्रतिनिधियों से विधायिका बनती है। एक अच्छा लोकतंत वह है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ–साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगों को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करती हैं। आज भारत में जो परिस्थिति है, उसमें जनता भ्रमित है। उसे अपनी बुनियादी समस्याओं की चिंता है पर उसके एक हिस्से के दिमाग में भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं ने यह बैठा दिया है कि नरेन्द्र मोदी अब तक के सबसे श्रेष्ठ और ईमानदार प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वे तीसरी बार फिर जीतकर आएंगे, जबकि जमीनी हकीकत अभी अस्पष्ट है। क्षेत्रीय दलों के नेता काफी तेजी से अपने इलाके के मतदाताओं पर पकड़ बना रहे हैं। और उन सवालों को उठा रहे हैं, जिनसे देश का किसान, मजदूर और नौजवान चिंतित है। इसलिए उनके प्रति आम जनता की अपेक्षाएं बढ़ी हैं, इसलिए 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की रैलियों में भरी भीड़ आ रही है। जबकि भाजपा की रैलियों का रंग फीका है।हालांकि चुनाव की हवा मतदान के 24 घंटे पहले भी पलट जाती है। इसलिए पहले से कुछ कहा नहीं जा सकता। 1970 के दशक में हुए जयप्रकाश आंदोलन के बाद से किसी भी राजनैतिक दल ने आम मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए प्रशिक्षित नहीं किया है जबकि अगर ऐसा किया होता तो इन दलों को चुनाव के पहले मतदाताओं को खैरात बांटने और उनके सामने लंबे–चौड़े झूठे वादे करने की नौबत नहीं आती। हर दल का अपना एक समर्पित काडर होता जबकि आज काडर के नाम पर पैसा देकर कार्यकर्ता जुटाए जाते हैं, या वे लोग सक्रिय होते हैं, जिन्हें सत्ता मिलने के बाद सत्ता की दलाली करने के अवसरों की तलाश होती है। ऐसे किराये के कार्यकर्ताओं और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव ही दल बदल का मुख्य कारण है। इससे राजनेताओं की और उनके दलों की साख तेजी से गिरी है। एक दृष्टि से इसे लोकतंत्र के पतन का प्रमाण माना जा सकता है।हालांकि दूसरी ओर, यह मानने वालों की भी कमी नहीं है कि इन सब आंधियों को झेलने के बावजूद भारत का लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उसके करोड़ों आम मतदाताओं ने बार–बार राजनैतिक परिपक्वता का परिचय दिया है, जब उन्होंने बिना शोर मचाए अपने मत के जोर पर कई बार सत्ता परिवर्तन किए हैं। मतदाता की राजनैतिक परिपक्वता का एक और प्रमाण यह भी है कि अब निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रभाव लगभग समाप्त हो चला है। 1951 के आम चुनावों में 6त्न निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे जबकि 2019 के चुनाव में इनकी संख्या घटकर मात्र 0.11त्न रह गई। स्पष्ट है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवारों के हाथ मजबूत नहीं करना चाहता जो अल्पमत की सरकारों से मोटी रकम ऐंठ कर समर्थन देते हैं।

भारत–चीन युद्ध के 62 साल पूरे, 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक आउट

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने मौजूदा साल की 4 सितंबर को वार बेस्ड फिल्म 120 बहादुर का एलान किया था. 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. 1962 में भारत और चीन के बीच हुए वार पर बेस्ड फिल्म में फरहान अख्तर भारतीय जवान की भूमिका में नजर आने वाले हैं. फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है. साथ ही फिल्म किस साल में रिलीज होगी इसका भी खुलासा कर दिया है.

फिल्म 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक देखते ही बन रहा है. बता दें, फरहान अख्तर ने भारत–चीन युद्ध के 62 साल पूरे होने के मौके पर फिल्म 120 बहादुर से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है. भारत–चीन के बीच आज से 62 साल पहले 18 नवंबर 1662 को रेजांग ला युद्ध हुआ था. अपने पोस्ट में फरहान अख्तर ने लिखा है, आज 62 साल हो गये हैं, रेजांग ला का युद्ध, जिसमें 120 वीरों ने हजारों की फौज को टक्कर दी और इतिहास के पन्नो में अपने खून से लिखी भारतीय सैनिकों की हिम्मत की दास्तान.फरहान अख्तर ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, आज भारत–चीन युद्ध के 62 साल हो गए हैं, इसके सम्मान में मेजर शैतान सिंह के साहस को नमन करते हैं, जो विषम परिस्थितियों में दुश्मन के सामने डटे रहे, उनकी कहानी समय–समय पर गूंजती रहती है, हमें आजादी की कीमत और एकता की ताकत की याद दिलाती है, साथ ही अहीर समुदाय को विशेष सलाम, जिनके बेटों ने हमारे राष्ट्र की रक्षा में बेजोड़ बहादुरी का प्रदर्शन किया.

फिल्म में परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी के साथ–साथ कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिको का साहस देखने को मिलेगा. भारत और चीन के बीच रेजांग ला की लड़ाई लड़ी गई थी.

किस्मत के साथ कनेक्शन भी, केकेआर के कप्तान बनेंगे वेंकटेश अय्यर !

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में केकेआर ने पिछले सीजन की तरह एक बार फिर चौंकाया. आईपीएल 2024 के लिए हुई नीलामी में मिचेल स्टॉर्क को 24.75 करोड़ देकर सभी को हैरान करने वाली इस टीम ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में वेंकटेश अय्यर को रिकॉर्ड कीमत देकर सभी को हैरान कर दिया है. वेंकटेश अय्यर एक अच्छे बैटिंग ऑलराउंडर हैं. इसलिए केकेआर ने उन्हें जब रिटेन नहीं किया तो फैंस को हैरानी हुई. वेंकटेश पिछले कई साल से टीम से जुड़े हुए भी हैं. लेकिन केकेआर के पास वेंकटेश को लेकर बड़ा प्लान था और इसने ऑक्शन में फैंस को फिर से चौंकाया जब उसने वेंकटेश के लिए 23.75 करोड़ की बड़ी कीमत अदा की. केकेआर की बड़ी बोली ने वेंकटेश को लीग के महंगे खिलाडिय़ों के साथ साथ कप्तानी की रेस में ला दिया है.

हो गया तय, आरसीबी का अगला कप्तान होगा विराट कोहली

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए जब रिटेंशन लिस्ट जारी की गई. उस समय आरसीबी की लिस्ट में फाफ डु प्लेसिस का नाम नहीं था. ऑक्शन में भी आरसीबी ने फाफ के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया. साथ ही किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जिसे टीम का अगला कप्तान बनाया जा सके. ऐसे में टीम का अगला लीडर कौन होगा. इसको लेकर तरह तरह की चर्चाएं जारी हैं. इन चर्चाओं में हाल ही में आए एक बयान ने और गर्माहट ला दी है.

आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी को लेकर टीम के पूर्व खिलाड़ी एबी डीविलयर्स ने बड़ा बयान दिया है. डीविलयर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, आरसीबी ने ऑक्शन में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और जितेश शर्मा को खरीदा है. इन सभी के पास कप्तानी का अनुभव तो है लेकिन बतौर कप्तान उनकी चर्चा नहीं है. ऐसे में मुझे लगता है कि टीम अगले सीजन में कप्तानी विराट कोहली को ही सौंपेगी. हालांकि इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक फैसला नहीं आया है.

विराट कोहली को लेकर कुछ महीने पहले एक खबर आई थी. इसके मुताबिक विराट ने खुद ही एक बार फिर से आरसीबी की कप्तानी की इच्छा मैनेजमेंट से जाहिर की है और मैनेजमेंट उनकी बात को लगभग मान चुका है. शायद इसी वजह से किसी दूसरे कप्तानी के विकल्प वाले खिलाड़ी पर टीम ने बोली नहीं लगाई. चर्चा थी कि केएल राहुल को टीम खरीदेगी और उन्हें अपना अगला कप्तान बना सकती है लेकिन केएल राहुल में टीम ने ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई और अब वे डीसी से जुड़ चुके हैं.

भारत में 300 करोड़ी क्लब पर रूह बाबा की नजर, लगातार पिछड़ रहा बाजीराव सिंघम

बीतते दिन के साथ भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के बीच की टक्कर दिलचस्प होती जा रही है. अजय देवगन और कार्तिक आर्यन की पहली बार बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होना निस्संदेह चर्चा का सबसे चर्चित विषय है. 1 नवंबर 2024 को रिलीज हुई दोनों फिल्में दिवाली पर ब्लॉकबस्टर साबित हुईं. भूल भुलैया 3 ने दुनियाभर में 400 का आंकड़ा पार कर ली है. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि रूह बाबा का क्रेज सिर चढक़र बोल रहा है. आइए एक नजर डालते हैं इनके 26वें दिन के बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट पर...

अनीस बज्मी की निर्देशित भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन 2 साल बाद रूह बाबा के रूप में नजर आए हैं. भूल भुलैया 3 इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी जैसे कलाकारों से सजी इस हॉरर–कॉमेडी थ्रीक्वल ने पहले हफ्ते में लगभग 168 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया. जबकि दूसरे और तीसरे हफ्ते में क्रमशः 66.01 करोड़ रुपये और 23.98 करोड़ रुपये कमाए.

सैकनिक के अनुसार, भूल भुलैया 3 ने चौथे सोमवार को सबसे कम कमाई की है. वहीं, 26वें दिन कार्तिक स्टारर ने 25वें दिन की अपेक्षा थोड़ी ज्यादा कमाई की है. चौथे मंगलवार को भुल भुलैया 3 ने 1.10 करोड़ रुपये कमाए. इस तरह 26 दिनों का कुल नेट कलेक्शन 269.05 करोड़ रुपये हो गए हैं.

भूल भुलैया 3 ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. बीते सोमवार को कार्तिक आर्यन ने फिल्म के बारे में अपडेट दिया और बताया कि उनकी फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर ली हैं. दुनियाभर में भुल भुलैया 3 ने 408.52 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. रोहित शेट्टी की निर्देशित कॉप यूनिवर्स सिंघम अगेन ने काफी चर्चा के बाद पहले सप्ताह में 186.60 करोड़ रुपये की कमाई की.

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष जारी

विक्रांत मैसी, रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 12 दिन बीत चुके हैं और पहले दिन से ही यह बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट लगातार जारी है और अब इसका कारोबार लाखों में सिमट गया है।आइए जानते हैं कि 12वें दिन द साबरमती रिपोर्ट की कितनी कमाई हुई। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 90 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 20.40 करोड़ रुपये हो गया है।

बो वेबस्टर के पास हुनर है, अगर मौका मिला तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार रहेंगे: कुहनेमैन

नई दिल्ली, मैथ्यू कुहनेमैन का मानना है कि शेफील्ड शील्ड टीम में उनके साथी तस्मानिया के बो वेबस्टर को मौका मौका मिला तो वह आस्ट्रेलिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का मौका भुनाएंगे। मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताओं के बीच वेबस्टर को भारत के खिलाफ आगामी पिंक–बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। यह अनकैप्ड ऑलराउंडर अगले सप्ताह एडिलेड में टीम से जुड़ेगा। उन्हें भारत ए के खिलाफ दो मैचों की सीरीज सहित लाल गेंद क्रिकेट में उनके हाल के अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल शेफील्ड शील्ड में 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं और नौ विकेट भी लिए हैं। कुहनेमन ने एसईएनक्यू ब्रेकफास्ट से कहा, मुझे लगता है कि इस समय बो के पास बेहतरीन हाथ है, बल्ले और गेंद दोनों से ही वह मैदान में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। वह मैदान के बाहर भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए अगर बो को मौका मिलता है, तो मुझे यकीन है कि वह इसे दोनों हाथों से लेंगे और ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया ए के लिए 72.50 की औसत से 145 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 20 से कम की औसत से सात विकेट भी लिए। कुल मिलाकर, 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने करियर में 5000 से ज्यादा प्रथम श्रेणी रन बनाये हैं और करीब 150 प्रथम श्रेणी विकेट लिए हैं।

एक नजर

मनवर लाल भारती को मिलेगा सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय दलित साहित्य अकादमी की ओर से इंटर कालेज पोखरी अजमीर के प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती को डा. अंबेडकर विशिष्ट सेवा राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है। भारतीय दलित साहित्य अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने यह जानकारी देते हुए, बताया कि आठ दिसंबर को दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में बालासौड़ निवासी मनवर लाल भारती को सेवा राष्ट्रीय सम्मान-2024 दिया जाएगा। यह सम्मान उन्हें अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर के हाथों दिया जाएगा। बताया कि मनवर लाल भारती विद्यालय के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

अब सात दिसंबर को होगा बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : पिण्डवाली में 30 नवम्बर को आयोजित किये जाने वाले बहुउद्देशीय शिविर को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गैरसैंण ब्लॉक के पिण्डवाली में अब 07 दिसम्बर को 11:00 बजे से 2 बजे तक बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसमें जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निस्तारण किया जाएगा और विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं।

गेंद मेला की तैयारी को लेकर आज होगी बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : कल्जीखाल ब्लॉक के बिलखेत सांगुडा तिल्या, पट्टी मनियारस्यूं के आदि मां भुवनेश्वरी मंदिर में होने वाला पौराणिक गेंद मेला को लेकर गेंद मेला एवं जन कल्याण समिति की बैठक मंदिर परिसर में शनिवार को आयोजित की जाएगी। गेंद मेला एवं जन कल्याण समिति के अध्यक्ष पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि 14 जनवरी 2025 को गत वर्ष की भांति पौराणिक गेंद मेला को भव्य से आयोजित किया जायेगा। कहा कि बैठक में गेंद मेला के भव्य आयोजन को लेकर विचार विमर्श एवं नई कार्यकारणी का गठन किया जायेगा। बैठक में गत वर्ष की आय व्यय को बताया जायेगा।

डीएलएड प्रवेश परीक्षा आज

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार (30 नवंबर) को प्रातः 10 बजे से आयोजित होने वाली डीएलएड प्रशिक्षण हेतु परीक्षा के लिए तहसील रुद्रप्रयाग के अंतर्गत बनाए गए परीक्षा केंद्रों में धारा-163 प्रभावी रहेगी। परीक्षा केंद्रों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा हेतु कुल 06 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग व अगस्त्यमुनि, राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग, अगस्त्यमुनि व रतूडा तथा चिल्ड्रन एकेडमी इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा अवधि में उक्त सभी परीक्षा केंद्रों में धारा-163 प्रभावी रहेगी। उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

विद्यार्थी रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग और इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें वक्ताओं ने नवाचार और बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व को रेखांकित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा विभाग की संकायाध्यक्ष प्रो. रमा मैखुरी ने कहा कि आज के ज्ञान युग में बौद्धिक संपदा अधिकार को समझना और उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अपनी रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें, जिससे देश और समाज की प्रगति में योगदान दिया जा सके। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार नौटियाल ने इस मौके पर बौद्धिक संपदा अधिकार के कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि इस क्षेत्र में जागरूकता बेहद जरूरी है। कहा कि नवाचारों के माध्यम से सभी को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

डा. रामकुमार साहू, आईआईसी के अध्यक्ष ने पेटेंट प्रक्रिया के बारे में शिक्षकों और विद्यार्थियों को जानकारी दी और कहा कि यह मानव क्षमता निर्माण में सहायक साबित हो सकती है।

अतिक्रमण के खिलाफ सड़क पर उतरे पूर्व सैनिक

जल्द अतिक्रमण नहीं हटने पर दी आंदोलन की चेतावनी

शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ निकाले गए जुलूस-प्रदर्शन के दौरान गोखले मार्ग से गुजरते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में नासूर बन रहे अतिक्रमण पर पूर्व सैनिकों का गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व सैनिकों ने आक्रोश रैली निकालते हुए जल्द अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। कहा कि शहर में अतिक्रमण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के सदस्य मोटर नगर के समीप एकत्रित हुए। यहां से नगर निगम व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पूर्व सैनिक देवी रोड, नजीबाबाद चौराहे, गोखले मार्ग, बदरीनाथ मार्ग होते हुए तहसील परिसर में पहुंचे। यहां पूर्व सैनिकों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। बताया कि गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य मार्गों पर आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। सबसे बुरी स्थिति रेलवे स्टेशन रोड, मालिनी मार्केट, झंडाचौक, गोखले मार्ग, गैराज रोड, गाड़ीघाट, जिला परिषद मार्केट, पुराना सिद्धबली मार्ग की बनी हुई है। पूर्व में दुर्घटनाओं के बाद भी नगर निगम व प्रशासन अतिक्रमण को लेकर लापरवाह बना हुआ है। कई बार अतिक्रमणकारी आमजन के साथ अभद्रता भी कर चुके हैं, जिससे शहर में कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत, राजेश बिष्ट, मेहरबान सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह बिष्ट, मदन सिंह, अनुसूया प्रसाद सेमवाल, गोपाल सिंह, देवेंद्र आदि मौजूद रहे।

जयंती पर सर जगदीश चंद्र बसु को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हेमवती सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में सर जगदीश चंद्र बसु की जयंती मनाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों व शिक्षकों ने जगदीश चंद्र बसु के योगदान को याद किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ शिक्षक प्रयागदत्त चमोली ने जगदीश चंद्र बसु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जगदीश चंद्र बसु के जीवन के बारे में बताया।

बताया कि पेड़-पौधों में जीवन होता है इसकी खोज जगदीश चंद्र बसु ने ही की थी। शिक्षक मनोज जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सर जगदीश चंद्र बसु के जीवन वृत्तांत के बारे में बताया। इस दौरान विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई गई।

इस मौके पर गीता रावत, सुनीता पंत, कीर्ति द्विवेदी, श्रेया चौधरी, अंजलि कंडवाल आदि मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में ईशिका व सानवी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आरसीडी पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों के मॉडल प्रस्तुत किए। इस दौरान प्री-प्राइमरी वर्ग में ईशिका व प्राइमरी वर्ग में सानवी रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य कालिका प्रसाद नैथानी, विद्यालय के संस्थापक डा. सुभाष चंद्र ढौंडियाल, प्रधानाचार्य सीमा ढौंडियाल व उप प्रधानाचार्य नीरजा गौड़ ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में प्री-प्राइमरी वग में 34 मॉडल, प्राइमरी वर्ग में बीस मॉडल, जूनियर वर्ग में-14 मॉडल व सीनियर वर्ग में 29 मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्री-प्राइमरी वर्ग में ईशिका, रुद्रांश, काव्यांश, प्राइमरी वर्ग में सानवी, ऋषभ, प्रियांशी, जूनियर वर्ग में अभय, कनिष्क, रुद्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रप्त किया। राम मंदिर मॉडल प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में प्रियांशी, आरूष, उज्वल, चंद्रयान मॉडल में आशुतोष पांडेय, अनुप्रिया, शितिज ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जीएसटी मॉडल सीनियर वर्ग में अंशिका जुमाल, तानिया, उपभोक्ता अधिकारी मॉडल में आंचल, प्राची, खुशी प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता में सृष्टि व निमेश ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद की ओर से बच्चों के लिए भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसके दूसरे चरण में सृष्टि व निमेश ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय चरण की प्रतियोगिता में 23 स्कूलों के लगभग 78 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के संयोजक गोपाल बंसल व हरीश मैंदोला ने बताया कि जूनियर प्रतियोगिता में श्री सिद्धबली पब्लिक स्कूल काशीरामपुर की छात्रा सृष्टि, बाल शिक्षा निकेतन की छात्रा रिमझिम, हिमालयन एकेडमी की छात्रा मुस्कान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल के निमेश, टीसीजी पब्लिक स्कूल की छात्रा अर्चिता काला, राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा प्रियांशी कपटियाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, बीना मित्तल, मनोज नैथानी, सेवकराम मानुजा, राकेश वर्मा, हरीश मैंदोला आदि मौजूद रहे।

सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए कर रही कार्य : धामी

प्रयासों से श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है और उनकी सामाजिक स्थिति भी सशक्त हो रही है।

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के आश्रित शिशुओं के लिए प्रदेश में 168 पालना केंद्रों का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन प्रयासों से श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है और उनकी सामाजिक स्थिति भी सशक्त हो रही है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने श्रम विभाग एवं कर्मचारी राज्य योजना कार्यालयों को सीएसआर मद से 60 कंप्यूटर का वितरण भी किया। केदारनाथ क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं में कार्य कर रहे 432 श्रमिकों के लिए ट्रैक सूट, जूते एवं खाद्य सामग्री के ट्रक को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री ने रवाना किया। इस अवसर पर विधायक खजानदास, श्रीमती सविता कपूर, श्रमायुक्त सुश्री दीप्ति सिंह, निदेशक महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास प्रशांत आर्य उपस्थित थे।

नाबालिग को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : थाना थलीसैंण पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोपी युवक को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने युवक के कब्जे से नाबालिग को भी बरामद किया। पुलिस के अनुसार बीते रविवार को इस मामले में नाबालिग की मां ने थाना थलीसैंण में तहरीर दी थी। जिसमें कहा था कि उसकी नाबालिग बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पौड़ी के एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि नाबालिग से जुड़ा प्रकरण होने पर मामले को गंभीरता से लेते हुए थलीसैंण पुलिस को कार्रवाई के लिए कहा गया। थलीसैंण पुलिस ने जब प्रकरण की जांच की तो पता चला कि गुमशुदा बालिका को उनके क्षेत्र के गांव का युवक भगाकर ले गया है। पुलिस टीम ने सर्विलांस आदि की मदद ली तो दोनों की लोकेशन भिवाड़ी राजस्थान में पाई गई। जिस पर टीम राजस्थान भेजी गई। टीम ने नाबालिग को भिवाड़ी राजस्थान से आरोपी के कब्जे से बरामद किया। नाबालिक से पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध पॉक्सो ऐक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अनूप बहुखंडी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने दी उपाधि ,मूल रूप से पोखड़ा ब्लॉक के नौगांव के रहने वाले हैं अनूप बहुखंडी

अनूप बहुखंडी को डॉक्टरेट की उपाधि देते राज्यपाल गुरमीत सिंह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड संस्कृत विश्व विद्यालय हरिद्वार के 11वें दिक्षांत समारोह में पोखड़ा के नौगांव निवासी अनूप बहुखंडी को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने उन्हें हिंदी एवं भाषा विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि दी। इससे पूर्व अनूप बहुखंडी गोल्ड मेडल से भी सम्मानित हो चुके हैं।

डॉ. अनूप बहुखंडी ने अपना शोध कार्य ह्लगढ़वाली लोकगीतों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययनह्व विषय पर प्रो. दिनेश चंद्र चमोला के निर्देशन में पूरा किया। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में वह पहले ऐसे स्कॉलर है जिन्होंने उत्तराखंड के लोक साहित्य विशेषकर गढ़वाली लोकगीतों पर अपना शोध कार्य किया। विदित हो इससे पहले भी वर्ष 2016 में डॉ. अनूप बहुखंडी को तत्कालीन उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ के.के पॉल द्वारा विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था।

डा. अनूप बहुखंडी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रोफेसर के रूप अपना करियर बनाना चाहते हैं। डॉ. अनूप बहुखंडी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलसचिव गिरीश कुमार अवस्थी, प्रो. दिनेश चमोला, शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज किशोर पंत, व्याकरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह आदि ने अनूप बहुखंडी को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर बधाई दी। बधाई देने वालों में मनीष बहुखंडी, डॉ. शिवचरण नौडियाल, डॉ. ललित शर्मा, डा. दीपक रतूड़ी, कपिल शर्मा जौनसारी, छात्र संघ सचिव कार्तिक शर्मा, कोषाध्यक्ष पीयूष मलिक, सौरभ शर्मा, चेतन शर्मा आदि शामिल रहे।

जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़े विद्यार्थी

हेरिटेज एकेडमी में हुआ एजुकेशन एवं करियर काउंसलिंग फेयर का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हेरिटेज एकेडमी की ओर से एजुकेशन एवं करियर काउंसलिंग फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के 16 कालेजों ने भाग लिया। काउंसलिंग के दौरान विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजित कार्यशाला में बच्चों को जानकारी देते विशेषज्ञ

कार्यक्रम में करियर काउंसलरों ने हेरिटेज एकेडमी के छात्र-छात्राओं को अलग-अलग विषय धाराओं में विभिन्न कोर्सों के बारे में बताया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को विभिन्न कॉम्पिटेटिव परीक्षाओं में सफलता पाने के गुर भी सिखाए। करियर काउंसलरों ने छात्र-छात्राओं को बारवीं की परीक्षा के बाद कॉलेज प्लेसमेंट की तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए और किस तरह अपने लिए कोर्स चुनने चाहिए इस के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। जिससे वे आने वाले समय में एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने काउंसलरों से विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब भी किये। जिससे उन्हें आगे आने वाले समय में सही कॉलेज एवं करियर को चुनने में सफलता मिले। कार्यशाला में भाग लेने वाले कॉलेजों में श्री श्री यूनिवर्सिटी कट्टक, ओड़िसा, शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, यूपीईएस देहरादून, आईएचएम देहरादून, आरआईटी रुड़की, बेनेट यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम, चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी चण्डीगढ़, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा पंजाब आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान हेरिटेज एकेडमी की ओर से प्रधानाचार्य डॉ. रूपमाला सिंह, उप प्रधानाचार्य अनीता सिंह, सीनियर स्कूल को ऑर्डिनेटर स्नेहा कुकरेती, सुजाता नेगी आदि मौजूद थे।

सहकारी समितियों से खरीदें यूरिया और डीएपी खाद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले की सहकारी समितियों में यूरिया और डीएपी खाद पहुंच गई है। किसान इन खादों को संबंधित सहकारी समितियों से ले सकते हैं। पौड़ी के मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वीकेएस यादव ने बताया कि किसानों के लिए दोनों खादों की व्यवस्था कर दी गई है। इन दिनों किसान गेहूं की बुआई कर रहे हैं।

इस दौरान इन दोनों खादों की जरूरत पड़ती है। जिले में यूरिया और डीएपी खाद पहुंच गई है। किसान अपनी सुविधा और आवश्यकता के अनुसार नजदीकी समिति से इन खादों को ले सकते है।

छात्रों ने घटिया गुणवत्ता का भोजन देने का लगाया आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर में संचालित मैस में घटिया गुणवत्ता का भोजन देने संबंधी आरोप छात्रों लगाए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन को भी एक शिकायती पत्र छात्रसंघ अध्यक्ष अभिरुचि नौटियाल ने दिया है। वहीं शिकायत के बाद पौड़ी परिसर प्रशासन ने एक कमेटी का गठन करते हुए मामले की जांच सौंपी है। कमेटी 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी।

पौड़ी परिसर में संचालित मैस को लेकर छात्रसंघ अध्यक्ष अभिरुचि नौटियाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को एक शिकायती पत्र दिया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि मैस में छात्रों को घटिया भोजन परोसा जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि मैस को लेकर नई निविदा जारी की जाए, ताकि छात्रों की शिकायत का निस्तारण हो सके। इसी मामले में पूर्व सह सचिव देव कुमार ने भी शिकायत पत्र विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया था। पौड़ी परिसर के कैंप निदेशक डॉ. यूसी गैरोला ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद एक नोटिस संचालक को दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी शिकायत आती रही। जिस पर अब एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी में मैस में खाने वाले छात्रों के साथ ही डीएसडब्ल्यू आदि को शामिल किया गया है। कमेटी दोनों पक्षों को सुनते हुए 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट देगी। कमेटी यहां भोजन की गुणवत्ता भी चेक करेगी।

9 जनवरी से शुरू होगा किताब कौथिग

श्रीनगर गढ़वाल : किताबों से दूर हुए लोगों को किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 9 जनवरी से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर में किताब कौथिग आयोजित होगा।

जिसमें साहित्यकार और पुस्तक प्रेमी 60 प्रकाशकों की करीब 75 हजार पुस्तकों से रूबरू होंगे। पुस्तकों को लोग खरीद भी सकते हैं। मौके पर कवि सम्मेलन, नेचर वॉक और सांस्कृतिक संध्या आदि कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। साथ ही स्कूली छात्रों के लिये रचनात्मक लेखन कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।

किताब कौतिक के समन्वयक जयकृष्ण पैन्यूली ने बताया कि श्रीनगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में रीड मोर रिड्यूस स्क्रीन टाइम थीम पर किताब कौथिग का आयोजन 9 से 11 जनवरी तक होगा। इससे पहले किताब कौथिग का आयोजन चंपावत के टनकपुर, पिथौरागढ़, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल में हुआ है।

बच्चे सोच समझकर करें इंटरनेट का उपयोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : साइबर अपराध को रोकने के लिए रिखणीखाल पुलिस की ओर से अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने स्कूली बच्चों को सोच समझकर इंटरनेट का उपयोग करने की सीख दी। कहा कि जरा सी लापरवाही हमें साइबर अपराध का शिकार बना सकती है। इस दौरान विद्यार्थियों को कानूनी जानकारी भी दी गई।

शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में लैंगिक अपराध, नशीले पदार्थों के सेवन, डिजिटल अरेस्ट, ह्यूमन ट्रैफकिंग के बारे में बताया गया।

थानाध्यक्ष रिखणीखाल संतोष पैथवाल के कहा कि कार्यशाला में राजकीय उच्चरतर माध्यमिक विद्यालय कोटडीसैण के विद्यार्थियों के साथ ही अन्य छात्रों को जानकारी दी गई। बताया कि आज हमारे नौनिहालों को साइबर सुरक्षा के विषय में जागरूक होने की आवश्यकता है, जिससे नौनिहाल कानूनी समझ का नागरिक बन सके। साथ ही उन्होंने नौनिहालों को मादक पदार्थों के सेवन करने से दूर रहकर अपने सुनहरे भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देने पर भी जोर दिया।

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को जानकारी देते पुलिस कर्मी

थानाध्यक्ष ने शिक्षकों को साइबर सुरक्षा जागरूकता पुस्तिका भी भेंट की गई। वहीं पुलिस के द्वारा छात्र-छात्राओं को जागरूकता पापलेट भी वितरित किए गए। साथ ही पापलेट को अपने गांव के पंचायत भवन, बारात घर में चस्पा करने की अपील की गई। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका रोशन जहां, डा. अंबिका प्रसाद ध्यानी, जयंती सुंद्रियाल, गीतांजलि पांडेय, रेखा ज्वाला, दीपा नेगी, अजयपाल गुसाईं, भीष्म देव, देवेश आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या	246-DRM-MB-24-25 26.11.2024	247-DRM-MB-24-25 27.11.2024
कार्य का नाम	Provision of approx 8 Km new Water Supply Pipeline from Mosey Falls to Oak Grove School via Jharipani (OGS/JP) and allied works where required at OGS/JP under ADEN/HW	Provision of new S&T building and allied track related works at QSR station in connection with PI to EI under the Jurisdiction of Sr. DEN-1/MB
निविदा प्रकार	Works	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	23.12.2024 16:00	23.12.2024 16:00
अनुमानित लागत	4,69,06,307.85	1,48,77,961.54
धरोहर राशि	3,84,500.00	2,24,400.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	09.12.2024	09.12.2024
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12माह	08

टेन्डर न.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 29.11.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3697/24

पदोन्नति होने पर दी गई भावभीनी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : विकासखंड कल्जीखाल में कार्यरत वरिष्ठ सहायक पद कार्यरत संतोष कुमार को जिला विकास कार्यालय में प्रधान सहायक पद पर पदोन्नति होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

शुक्रवार को ब्लॉक सभागार कल्जीखाल में खंड विकास अधिकारी गंगा प्रसाद लखेड़ा की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर संतोष कुमार को उपहार भेंटकर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेखा देवी को भी सम्मानित किया गया। गत सात सालों से संतोष कुमार विकासखंड कल्जीखाल में बतौर वरिष्ठ सहायक पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। खंड विकास अधिकारी गंगा प्रसाद लखेड़ा, एडीओ पंचायत मेघराज सिंह ने कहा कि संतोष कुमार कार्य के प्रति लगनशील, एक कुशल प्रशासक की तरह कार्यों में निपुण थे। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, युवा कल्याण अधिकारी दिनेश नेगी, ग्राम पंचायत अधिकारी रजनीश सुंदरियाल, पूर्व प्रभारी जितेन्द्र रावत सहित समस्त विकासखंड कल्जीखाल के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिताजी की मृत्यु दिनांक 25-10-2010 को हुई थी। मेरे पिताजी के मृत्यु प्रमाण पत्र में उनका नाम कलम सिंह गलत अंकित हो गया है। जबकि मेरे पिताजी का सही व सत्य नाम कमल सिंह पुत्र स्व0 श्री टीकाराम है। अतः मेरे पिताजी के मृत्यु प्रमाण पत्र में उनका सही व सत्य नाम कमल सिंह पुत्र स्व0 श्री टीकाराम अंकित कर मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

गोपाल सिंह पुत्र स्व0 कमल सिंह निवासी झूलापुल, नई बस्ती, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0583/21)

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

Tender No. Date	248-DRM-MB-24-25 dt. 28.11.2024
Name of work	Heavy repair to leaky roof of Hostel, staff Quarters and classrooms at ZRTI/CH. Heavy repair to leaky roofs of staff quarters & residential building and other building in the section of SSE/W/CH under ADEN/CH.
Tender Closing Date Time	25.12.2024
Advertised Value (Rs.)	1,14,06,171.18
Earnest Money (Rs.)	2,07,000.00
Tender Cost (Rs.)	-
Bidding Start Date	11.12.2024
Period of Completion	06 Months

पत्रांक -75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 28.11.2024 3689/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

कुलपति की नियुक्ति की मांग को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिले छात्र

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में कुलपति की नियुक्ति की मांग को लेकर ऑल इंडिया डीएसओ छात्र संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्रालय दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में गढ़वाल विवि की पूर्व छात्रा प्रतिनिधि मोनिका चौहान, गढ़वाल विवि छात्रसंघ के कार्यकारिणी सदस्य राजदीप, ऑल अंडिया डीएसओ की सदस्य रेश्मा पंवार, कुलदीप रमोला और संदीप कुमार ने कहा कि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल बीती 30 अक्तूबर को सेवानिवृत्त हो गई हैं। कहा कि एक माह बीत जाने को है, लेकिन अभी तक शिक्षा मंत्रालय ने कुलपति की नियुक्ति के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किए हैं। कहा कि कुलपति की नियुक्ति न होने से शैक्षणिक कार्य बाधित हो रहे हैं और छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से जल्द गढ़वाल विवि में कुलपति की नियुक्ति करने की मांग की है। (एजेंसी)

नशे को लेकर किया जागरूक

श्रीनगरग गढ़वाल : डाकघर श्रीनगर के सभागार में शुक्रवार को नशा उन्मूलन को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गढ़वाल मंडलीय नशा उन्मूलन नोडल अधिकारी अखिलेश चंद्र चमोला ने कहा कि नशा एक बुराई है, जिसका सेवन करने से इंसान का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। कहा कि इन जहरीले और नशीले पदार्थों की सेवन करने से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि पहुंचाने के साथ ही सामाजिक वातावरण भी दूषित हो जाता है। इस मौके पर पोस्ट मास्टर नरेंद्र सिंह पुंडीर, विपुल पुंडीर, निर्मला मियां, प्रेमलाल, गौरव देवली, संजय चौधरी, अजय गोस्वामी, प्रकाश चंद, जयपाल, दिनेश कुमार, महेंद्र चौहान, राजेश सिंह, राजेंद्र सिंह, आशीष गुप्ता, रोहित राजपूत, निशांत सक्सेना, वर्षा कश्यप सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

गुलदार का आतंक, दहशत में लोग

रुद्रप्रयाग : जखोली क्षेत्र में गुलदार के आतंक की घटना लगातार बढ़ रही है। गुलदार की आवाजाही से क्षेत्रीय लोग दहशत में है। बीते दिन जखोली ब्लॉक के देवल गांव में शाम को गुलदार ने पालतु पशु को निवाला बना दिया। भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कमलेश उनियाल ने वन विभाग को इस मामले में शीघ्र कार्यवाही करने को कहा। वहीं डीएफओ रुद्रप्रयाग अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। (एजेंसी)

पेयजल योजना की जांच कराने की मांग

नई टिहरी : जिपं सदस्य कंडियाल गांव रेखा असवाल ने शुक्रवार को डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर प्रतापनगर विधानसभा के ग्राम पंचायत गरवाण गांव और खंबाखाल में पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से होने पर नाराजगी जाहिर कर कार्यवाही की मांग की। योजना में हुई धांधली की जांच करवाने की डीएम से मांग करते हुए कहा कि यदि समाधान न हुआ तो डीएम कार्यालय में आंदोलन किया जायेगा। (एजेंसी)

खो-खो में स्वामी रामतीर्थ परिसर टिहरी बना चैंपियन

नई टिहरी : गढ़वाल विवि की अंतर महाविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता में स्वामी राम तीर्थ परिसर टिहरी ने बिड़ला परिसर श्रीनगर को 20-5 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। शुक्रवार को खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का पहला मुकाबला स्वामी राम तीर्थ परिसर टिहरी तथा डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून के मध्य खेला गया। जिसमें स्वामी रामतीर्थ परिसर टिहरी ने 18-8 से तथा श्रीनगर परिसर द्वारा राठ महाविद्यालय पैठाणी पर 16-14 विजय प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला स्वामी रामतीर्थ परिसर टिहरी व बिरला कैंपस श्रीनगर के मध्य खेला गया। जिसमें स्वामी रामतीर्थ परिसर टिहरी ने 20-5 से बिड़ला परिसर श्रीनगर पर विजय प्राप्त कर चैंपियनशिप अपने नाम की। विजेता और उप विजेता टीम को परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएमएस नेगी, क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. पीडी सेमल्टी, प्रो. आरसी रमोला, प्रो. एसके शर्मा, डा. यूएस नेगी, प्रो वीणा जोशी, छात्र संघ अध्यक्ष आदित्य आदि ने शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अयोजक सचिव डॉ. केसी पेटवाल ने अवगत कराया कि इन टीमों के माध्यम से जो टीम बनेगी। वह जनवरी माह में अवध विश्वविद्यालय कानपुर में अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

मुख्यमंत्री ने सड़कों एवं पुलों के निर्माण हेतु स्वीकृत किए 66.12 करोड़

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के सड़कों एवं पुलों के निर्माण हेतु 66.12 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। स्वीकृत धनराशि के तहत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी के अंतर्गत पनचक्की चौराहे से कमलुवागांजा 8.200 किमी. लम्बी नहर कवरिंग का कार्य एवं चौफुला चौराहे से कठघरियां चौराहे तक 3.100 किमी., कुल लम्बाई 3.800 किमी. तक के निर्माण हेतु 12.45 करोड़, विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट के अंतर्गत कालसन ठांठा मोटर मार्ग से बनोली सुदर्का, ठांठा मोटर मार्गों का सुधारीकरण का कार्य हेतु 3.46 करोड़, जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र विकासनगर के लम्बरपुर से लांघा मोटर मार्ग को डेढ़ लेन (5.50 मीटर) से दो लेन (7.00 मीटर) में डीबीएम एवं बीसी द्वारा चौड़ीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य हेतु 10.86 करोड़, जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र जागेश्वर में पोखरी-बैगनिया व पोखरी बिनवाल हेतु चायखान से बलिया होते हुए सम्पर्क मार्ग के किमी. 01 से 9 में डामरीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य हेतु 6.38 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री घोषणा के तहत जनपद चम्पावत की विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में शहीद शिरोमणि चिल्कोटी (गौडी-किमतोली) मोटर मार्ग के सुधारीकरण कार्य हेतु 9.58 करोड़, जनपद चंपावत के विधानसभा क्षेत्र चंपावत में टनकपुर के आन्तरिक मार्गों का हॉटमिक्स डी.बी.एम./बी.सी.द्वारा सुधारीकरण कार्य हेतु 5.98 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र राजपुर रोड के देहरादून-रायपुर रोड में चूना भट्टा के निकट रिस्पना नदी पर 55 मीटर विस्तार सेतु का निर्माण कार्य हेतु 5.84 करोड़, जनपद उधम सिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र रूद्रपुर के अन्तर्गत ट्रांजिट कैम्प में झील से चामुण्डा मंदिर तक मार्ग का पुनः निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य (शिवनगर से ट्रांजिट कैम्प मुख्य मार्ग का अवशेष भाग) हेतु 2.2 करोड़, जनपद उधम सिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र रूद्रपुर के रूद्रपुर ब्लॉक के अन्तर्गत मुख्य बाजार के मध्य सम्पर्क मार्गों का हॉटमिक्स द्वारा पुनः निर्माण कार्य हेतु 2.82 करोड़, जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के विकासखण्ड जौनपुर के अन्तर्गत बिलोंदी पुल से फिडोगी-धनौल्टी मोटर मार्ग के कार्य हेतु 3.70 करोड धनराशि की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा बरोटीवाला-अम्बाड़ी मोटर मार्ग पर 20 मीटर गार्डर ब्रिज के निर्माण हेतु 2.19 करोड धनराशि की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र पुरोला के अन्तर्गत कमल नदी गुन्याटिगांव मोटर मार्ग विस्तारीकरण का कार्य हेतु 4.00 लाख, विधानसभा क्षेत्र पुरोला के अंतर्गत गुन्याटिगांव के खेल मैदान इंटर कालेज मंदिर मार्ग तक इण्टरलॉकिंग का निर्माण कार्य हेतु 26.00 लाख की स्वीकृति प्रदान की है।

30 वाहनों के किए चालान और एक को किया सीज

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : सुरक्षित यातायात को लेकर जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशों पर शुक्रवार को छिनका में उपजिलाधिकारी चमोली राजकुमार पाण्डेय और सम्भागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्र ने संयुक्त निरीक्षण किया।

इस दौरान ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 30 वाहनों के चालान किए और एक वाहन सीज किया। जिसमें ओवर स्पीड के 15, ड्राइविंग लाइसेंस के 08, सीट बेल्ट के 04 बिना हेलमेट के 02 चालान किए गए तथा एक वाहन को फिटनेस सर्टिफिकेट न होने के कारण सीज किया गया।

इस दौरान उन्होंने वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात को लेकर यातायात नियमों का पालन करने को कहा।

पांडव नृत्य का फल वितरण के साथ समापन

रुद्रप्रयाग : भरदार क्षेत्र के तरवाड़ी गांव में चल रहे पांडव नृत्य का फल वितरण के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन पांडवों व देव निशानों के अपने ससुराल स्वीली जाने का विदाई का पल भावुक कर गया। अंतिम दिन दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पांडव देखने पहुंचे। बीते 12 नवम्बर से ग्राम पंचायत दरमोला के तरवाड़ी में शुरू हुए पांडव नृत्य का शुक्रवार को विधिवत समापन हो गया है। भगवान बद्रीविशाल एवं शंकरनाथ सहित कई देवताओं की विशेष पूजा अर्चना के बाद भोग लगाया गया। पुजारी ने पांडवों के अस्त्र-शस्त्रों की भी विशेष पूजा अर्चना की। पहले तो ढोल-दमाऊ की थाप पर पांडवों के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी खूब नृत्य किया। बाद में पांडवों ने ही अस्त्र–शस्त्रों के साथ नृत्य किया। पांडवों का नृत्य ने लोगों को खूब आनंदित भी किया। भगवान नारायण के पश्वा सहित सभी पांडवों ने अंत में भक्तों के बीच फल फेंके, जिसे भक्तों ने उन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इससे पहले गुरुवार रात्रि को रातभर अस्त्र-शस्त्रो के साथ पांडव नृत्य किया। भव्य गेंडा कौथिग आकर्षण का केन्द्र बना रहा। पांडवों ने जौ की फसल बौने के साथ ही उसे काटने का पूरा सजीव चित्रण किया गया। फसल कटने के बाद उसका एक हिस्सा बद्रीनाथ भगवान को चढ़ाया गया। बचे हिस्से को भक्तों में प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। इस दौरान पांडवों ने केदारनाथ यात्रा पर जाने का मंचन कर भी किया। शुक्रवार को अंत में पांडवों एवं देवी-देवताओं के निशान अपने ससुराल स्वीली गांव के लिए विदाई का दृश्य सभी भक्तों को भावुक कर गया।

कार्यकाल पूरा होने पर जनप्रतिनिधियों को दी विदाई

चमोली : नारायणबगड़ विकासखंड में क्षेत्र पंचायत प्रमुख यशपाल सिंह नेगी ने ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्यों को उनके पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति पर विदाई दी। शुक्रवार को विकासखंड सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख नेगी ने जनप्रतिनिधियों के अनुभवों को समाज और गांव की भलाई के लिए उपयोगी बताया।

इस अवसर पर विधायक भूपाल राम टम्टा भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण और महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की कक्षाओं की मांग उठाई। प्रमुख नेगी ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

मेडिकल स्टोरों में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की नियमित जांच करें

खुले में धूम्रपान करने वालों का होगा चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मेडिकल स्टोरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित चेकिंग करने के निर्देश दिए है।

डीएम ने कहा कि कैमरों की रिकार्डिंग चेकिंग के दौरान यह देखा जाए कि बच्चों और युवाओं को कहीं कोई मेडिकल स्टोर नशीली दवाइयां तो नहीं दे रहा है, यदि ऐसा कोई मामला सामने आता तो इस संबंध में कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को खुले में धूम्रपान करने वालों के चालान करने के निर्देश दिए।

गुरुवार देर शाम जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में संपन्न बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में नियमित रूप से स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्कशॉप अथवा जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उच्च शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों को नशे से दूर करने के लिए ऐसी फिल्म दिखाई जाए, जिनमें नशा मुक्ति का संदेश हो। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति को विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा सकता है। डीएम ने नशे के खिलाफ छात्रों को ई-प्रतिज्ञा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को नशे से बचाने के लिए उन्हें इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जाए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार, वन विभाग की एसडीओ आईसा बिष्ट, डीसीआरबी प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र कप्रवाण, आबकारी निरीक्षक मुकेश डिमरी आदि मौजूद थे।

सात दिनों के अंदर शिकायतों का करें निस्तारण : डीएम

डीएम ने की सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने शुक्रवार को सीएम हेल्पलाइन 1905 पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेने के साथ-साथ हर 10 दिन में समीक्षा करने को कहा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन शिकायतकर्ताओं से पोर्टल के माध्यम बात से भी करने को कहा।

डीएम ने कहा कि शिकायतों को 7 दिन के अन्दर निस्तारण किया जाए। साथ ही उन्होंने सभी ईओ को एक्टिवली काम करने कहा। डीएम ने एसडीएम थराली को नगर पंचायत थराली के पूर्व में किए गए कार्यों की जांच करने को कहा। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर सॉल्व होने वाली शिकायत जिला स्तर पर नहीं आनी चाहिए। साथ ही निर्माणदायी संस्थाओं को अपने अधीनस्थ इंजीनियरों से नियमित गूगल मीट कराने को कहा। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि जल संस्थान की 67, जल निगम की 30, यूपीसीएल की 32, पीएमजीएसवाई व पीडब्ल्यूडी की 30-30, शिक्षा विभाग की 16, शहरी विकास की 15 चिकित्सा विभाग की 9 तथा सिंचाई विभाग की 8 शिकायतें एल1 व एल2 पर दर्ज हैं। इस दौरान एसडीएम चमोली आरके पांडेय, पीडी आनन्द सिंह, प्रभारी शिक्षा अधिकारी धर्म सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आईएचईटी के तीन छात्र आईआईएसएफ में होंगे शामिल

नई टिहरी : टीएचडीसी हाइड्रो पावर प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान के तीन छात्र उत्तराखंड राज्य से प्रतिनिधि के रूप में चयनित होकर आईआईएसएफ (इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल) 2024 में प्रतिभाग करेंगे। यह कार्यक्रम शनिवार 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक आईआईटी गुवाहाटी, असम में होगा। टीएचडीसी आईएचईटी के चयनित छात्रों में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष के निखिल गहतोड़ी, बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के प्रांजल मैठाणी और बीटेक सिविल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के लेनिन सुरुंग्रबम शामिल हैं। आईआईएसएफ देशभर के वैज्ञानिकों, विज्ञान साहित्यकारों और शोधकर्ताओं को एक साझे मंच पर लाकर स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विकसित भारत के नए विकास युग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित गया है। महोत्सव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विज्ञान भारती के सहयोग से कार्यक्रम होंगे। स्वदेशी स्पिरिट के साथ प्रमुख वैज्ञानिकों के नेतृत्व में इसका आयोजन होता है। संस्थान के निदेशक डॉ. शरद कुमार प्रधान, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष ज्योति प्रकाश सेमवाल और कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष विवेक कुमार ने चयनित छात्रों को बधाई दी है।

शीतलकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने को तैयार हो रही कार्य योजना

नई टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि जिले में धार्मिक, साहसिक, योग साधना और पर्यटन की दृष्टि से प्रसिद्ध स्थलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है। कहा कि सीएम ने शीतलकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं। डीएम मयूर ने बताया कि टिहरी जनपद साहसिक और धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। शीतकालीन पर्यटन से स्थानीय लोगों की आजीविका संवर्धन भी की जा सकती है। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से सिद्धपीठ सुरकंडा देवी मंदिर कद्दूखाल और धनोल्टी से लगा हुआ है। जबकि चंद्रबदनी मंदिर हिंडोलाखाल से देवप्रयाग, कुंजापुरी देवी मंदिर ऋषिकेश व नरेंद्रनगर से निकट है। वहीं सेम नागराजा मंदिर मुखेम प्रतापनगर, कांगुड़ा नागराजा मंदिर थौलधार, कैलापीर बूढ़ाकेदार मंदिर घनसाली, घंटाकर्ण मंदिर गजा, घंटाकर्ण मंदिर लोस्तू बडियारगढ़ कीर्तिनगर, श्री रघुनाथ मंदिर व संगम स्थली पवित्र भगीरथी व अलकनंदा नदी देवप्रयाग, श्री गुरु माणिनाथ मंदिर मगरौ कोटी, सूर्य मंदिर पलेठी देवप्रयाग शामिल हैं। इसके साथ ही योग साधना, साहसिक पर्यटन की दृष्टि से ब्रह्मपुरी, शिवपुरी, कौड़ियाला, टिहरी बांध की झील, धनोल्टी, नागटिब्बा, कैंपटी फॉल, खतलिंग ग्लेशियर, पंवाली कांठा, सहस्त्रताल, मासर ताल प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

डीएम ने बताया कि सीएम के निर्देशों के तहत इन धार्मिक और पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार सहित जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए विभागों को निर्देश दिए हैं। (एजेंसी)

मां इंद्रसणी ने पूछी भक्तों की कुशलक्षेम

रुद्रप्रयाग : सिलगढ़ क्षेत्र की कंडाली गांव की आराध्य देवी मां इंद्रासणी की देवरा यात्रा ने महरगांव में भ्रमण कर घर-घर जाकर भक्तों की कुशलक्षेम पूछी। यात्रा समाप्ति के बाद 30 जनवरी से मंदिर में नौ दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। बीते 26 नवम्बर से सिलगढ़ क्षेत्र के कंडाली की मां इंद्रासणी की विशेष पूजा अर्चना एवं श्रृंगार के साथ देवरा यात्रा का शुभारंभ हुआ था। पहले दिन मां की डोली ने कंडाली गांव में ही रात्रि विश्राम किया। गत बुधवार जैली एवं गुरूवार को रात्रि प्रवास के लिए डोली महरगांव पहुंची थी शुक्रवार सुबह पुजारी ने मां इन्द्रासणी की भोगमूर्तियों की विशेष पूजा अर्चना कर भोग लगाया। जिसके बाद मां की देवरा यात्रा महरगांव में घर-घर जाकर अपने भक्तों की कुशलक्षेम पूछी। वहीं भक्तों ने पुष्प एवं अक्षतों से मां का स्वागत किया। साथ ही लाल चुनरी, धूप पिठाई के साथ ही फलों का अर्ग भी लगाया। इस दौरान डोली ने नृत्य कर भक्तों को अपना आशीर्वाद भी दिया। रात्रि प्रवास के लिए यात्रा सिरसोलिया गांव पहुंची। जहां डोली का जोरदार स्वागत हुआ। जिसके बाद देवरा यात्रा सिरसोलिया, नागधार, पंद्रोला, मरगांव, पाली, कुमडी, तैला, शीशों समेत कई गांवों भ्रमण भी करेगी। संयोजक मंडल के सदस्य ओपी बहुगुणा ने बताया कि दो माह तक चलने वाली देवरा यात्रा के दौरान मां की डोली सिलगढ़, बड़मा, भरदार, लस्या, नागपुर के 100 गांवों भ्रमण कर भक्तों की कुशलक्षेम पूछेगी।

तहसील दिवस तीन दिसम्बर को

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी गढ़वाल की अध्यक्षता में आगामी 03 दिसम्बर को तहसील परिसर पौड़ी में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा।

संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील परिसर पौड़ी में प्रातः 11 बजे से तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को तहसील दिवस में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने को कहा।

मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट को मिली मोटा अनाज प्रसंस्करण इकाई

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट में कृषि विभाग ने 80 प्रतिशत सब्सिडी पर महिला कृषकों को उपलब्ध कराई मोटा अनाज प्रसंस्करण इकाई। अनाज प्रसंस्करण इकाई मिलने पर कृषकों को सुविधा मिलने के साथ आमदनी में होगा इजाफा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में कृषकों की आजीविका संवर्द्धन एवं रोजगार सृजन हेतु कृषि विभाग, जनपद चमोली द्वारा मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट में ज्योति ग्राम संगठन सारकोट को खाद्य फसल एवं मोटा अनाज प्रसंस्करण इकाई वितरित की गयी। जिसमें समूह को आटा चक्की, धान, झंगोरा चक्की एवं मसाला चक्की जिला योजना के माध्यम से 80 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराई गयी है। महिला कृषकों द्वारा आधुनिक कृषि यंत्रो के माध्यम से क्षेत्र में उत्पादित फसलों का प्रसंस्करण करते हुए विपणन किया जाएगा इससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में समूह के अध्यक्ष दीपा देवी, समूह कोषाध्यक्ष बैशाखी देवी, विकासखंड प्रभारी (कृषि) ललित कुमार उपस्थित थे।

15 हजार वाहनों की पार्किंग क्षमता विकसित कर रही है धामी सरकार

विकास प्राधिकरणों के जरिए 182 स्थानों पर बनाई जा रही है वाहन पार्किंग

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड में वर्ष भर पयर्टकों और तीर्थयात्रियों की आवाजाही लगी रहती है। ऐसे में प्रदेश सरकार यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए सड़क चौड़ीकरण के साथ ही, प्रमुख तीर्थों, शहरों और पयर्टन स्थलों पर पार्किंग स्थलों का निर्माण कर रही है। वर्तमान में विभिन्न विकास प्राधिकरणों के जरिए 182 स्थानों पर 15 हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग सुविधा तैयार की जा रही है। जिसमें से 34 जगह पार्किंग स्थल तैयार हो चुके हैं। एमडीडीए ऋषिकेश और देहरादून में दो हजार गाड़ियों की पार्किंग बना रहा है।

उत्तराखंड में हाल के समय में ऑल वेदर रोड, एक्सप्रेस वे और स्टेट हाईवे को नेशनल हाईवे में उच्चीकृत किए जाने के साथ ही पीएमजीएसवाई नेटवर्क के जरिए रोड कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। इसका असर चारधाम यात्रा के साथ ही पर्यटन सीजन में उमड़ती रिकॉर्ड भीड़ के रूप में नजर आ रहा है। लेकिन इसी के साथ प्रमुख शहरों से लेकर पर्यटन स्थलों पर जाम की समस्या नजर आने लगी है। इसी समस्या के निदान के लिए उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण विभिन्न विकास प्राधिकरणों के जरिए युद्धस्तर पर 182 स्थलों पर कुल 15857 वाहन क्षमता की पार्किंग सुविधा तैयार कर रहा है। इसमें वर्तमान तक 34 स्थलों को तैयार करते हुए 2102 वाहनों की पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। जबकि 47 अन्य पर निर्माण कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। शेष पर कार्यवाही विभिन्न स्तरों पर जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड आने वाले तीर्थयात्रियों और पयर्टकों का कीमती समय जाम में बर्बाद न हो इसके लिए प्रमुख पड़ावों पर पार्किंग निर्माण किया जा रहा है। जिलाधिकारियों को इसके लिए भूमि चयन प्राथमिकता पर करने को कहा गया है। इसका लाभ स्थानीय निवासियों को भी मिलेगा।

पहली बार टनल पार्किंग

पर्वतीय भू-भाग होने के कारण, उत्तराखंड में भूतल और मल्टी स्टोरी पार्किंग के लिए जगह का संकट रहता है। इसलिए प्रदेश सरकार पहली बार, टनल पार्किंग का विकल्प आजमाने जा रही है। इसमें पहाड़ के अंदर सुरंग तैयार कर पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। इसके लिए बागेश्वर, लक्ष्मणझूला, ऊखीमठ, केम्प्टी फॉल, नैनबाग, तपोवन, उत्तरकाशी, यमुनोत्री मार्ग (उत्तरकाशी), नैनीताल (दो स्थानों पर) में टनल पार्किंग तैयार की जा रही है। उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम के मुताबिक टनल पार्किंग उत्तराखंड के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है।

कुल प्रस्तावित पार्किंग -	182
सरफेस	57
मल्टी स्टोरी	107
ऑटोमेटेड	09
टनल	10
कुल वाहन क्षमता	15857
पूर्ण हो चुकी हैं	34

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com